# राष्ट्रीय शहरी जल पुरस्कार 2011-12

**शहरी विकास मंत्रालय**
**भारत सरकार**

**एडिमनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद**

**परिचय**

देशभर में शहरी स्थानीय निकायों और जल बोर्डों द्वारा सराहनीय व्यवहारों को सम्मानित करने के लिए, जिनकी वजह से नागरिकों को उन्नत सेवाएं मिली हैं, एडिमनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद की साझेदारी में शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शहरी जल पुरस्कार (एनयूडब्ल्यूए) की शुरूआत की गई है।

देशभर में शहरी क्षेत्रों में नीतियों को पुन: निर्मित कर, बेहतर तकनीकों का उपयोग कर, प्रबंधन विधियों और संस्थागत व्यवस्थाओं में सुधार कर, सब्सिडीज का आश्रय लेकर, नए वित्तपोषण विकल्पों का पता लगाकर और नई साझेदारियां बनाकर शहरों में पानी और स्वच्छता सेवाओं तक पहुंच, उसकी गुणवत्ता, कुशलता और स्थिरता में सुधार करने का प्रयास किया जा रहा है। भारत सरकार के जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) कार्यक्रम और अन्य क्षमता निर्माण अंत: क्षेपों से बदलाव की महत्वाकांक्षी पहल को तीव्र करने में मदद मिलती है। यहां तक कि स्थानीय आधारित और छोटे पैमाने की पहलों से भी बड़े नतीजे मिल सकते हैं, अत:, यह काफी महत्वपूर्ण है कि हमारे कार्यरत शहरों और जल बोर्डों को सम्मानित किया जाए। पुरस्कार कार्यक्रम का उद्देश्य सम्मानित करने का प्रयोजन पूरा करना और जल प्रबंधन में ऐसी अच्छी विधियों का प्रचार- प्रसार करना है जिनसे सेवा वितरण के परिणामों में सुधार आया है।

राष्ट्रीय शहरी जल पुरस्कार की शुरूआत 2008 में की गई थी। वार्षिक आयोजन के रूप में विचारित, इन पुरस्कारों का स्पष्ट उद्देश्य शहरी स्थानीय सरकारों और जल बोर्डों को सम्मानित करना है जिन्होंने प्रभावी जल प्रबंधन और सेवा वितरण में सुधार के लिए महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। इन पुरस्कारों में ऐसी अच्छी विधियों की पूरी श्रृंखला कवर की जाती है जिसमें नागरिकों,

खासतौर पर, गरीब और उपेक्षित तबकों, को सेवा वितरण की गुणवत्ता में बड़े पैमाने पर सुधार होता है।

**पात्रता के मानदण्ड**

पुरस्कार निम्नलिखित के लिए हैं:-

- शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी)
- जल सुविधाएं/बोर्ड
- गैर सरकारी संगठन/समुदाय आधारित संगठन, निजी क्षेत्र, शहरी स्थानीय निकायों/जल सुविधाओं/बार्डों के सहयोग में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियां।

**श्रेणियां**

पुरस्कार ऐसे संगठनों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने शहरी जल और स्वच्छता प्रबंधन में निम्नलिखित सात श्रेणियों में से किसी एक या अधिक में उल्लेखनीय योगदान दिया हो:

- **तकनीकी श्रेष्ठता**
  - राजस्व भिन्न जल (एनआरडब्ल्यू) में कमी, ऊर्जा लेखापरीक्षा, मीटरिंग, हर समय जलापूर्ति की पहलें।
- **वित्तीय सुधार**
  - लेखांकन सुधार, उत्पाद शुल्क और/अथवा सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, लागत वसूली और बिल उगाही में सुधार।
- **गरीबों को सेवाएं**
  - उन्नत पहुंच, लक्षित सब्सिडी और प्रोत्साहन, भागीदारी नियोजन तंत्र
- **नागरिक सेवाएं और शासन**
  - उन्नत संप्रेषण कार्यनीति, अधिक नागरिक संतुष्टि, ई-गवर्नेन्स, सार्वजनिक प्रकटीकरण और पारदर्शिता की पहलें।
- **सरकारी-निजी साझेदारी**
  - सेवाओं की व्यवस्था, ओएण्डएम सेवाओं को अनुबंधित करना, प्रबंधन व्यय को शामिल करना।

- **संप्रेषण कार्यनीति और जागरूकता फैलाना**
  - जल और स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं की हिमायत, आउटरीच, नवीन जानकारी साझा करना, जागरूकता फैलाने के लिए दृश्य/श्रव्य फिल्म, आयोजित अभियान और व्यवहारात्मक परिवर्तन।
- **शहरी स्वच्छता**
  - जागरूकता फैलाना और व्यवहार परिवर्तन,खुले में शौच को समाप्त करना, स्वास्थ्यगत स्वच्छता सुधार, स्वच्छता सुधार और निपटान की विधियां, अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग और पुनचक्रण, शहर-व्यापी एकीकृत स्वच्छता की कार्यनीतियां और योजनाएं, अच्छे ओएण्डएम व्यवहार, क्षमता निर्माण, वित्तपोषण के नए विकल्प आदि।

**चयन प्रक्रिया**

पात्र और इच्छुक संगठनों को अपनी प्रविष्टियां जमा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। पुरस्कार कार्यक्रम संबंधी जानकारी मीडिया और वैबसाइटों पर विज्ञापनों के माध्यम से दी गई थी। एनयूडब्ल्यूए 2011-12 संबंधी संप्रेषण और प्रचार-प्रसार की सामग्री राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकायों, जल सुविधाओं, गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्रों, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय एजेंसियों को भी भेजी गई थी। एनयूडब्ल्यूए 2011-12 संबंधी अद्यतन सूचना प्रदान करने के लिए एक समर्पित वैबसाईट (http://waterawards.i//index.php) बनाई गई थी।

एनयूडब्ल्यूए 2011-12 के लिए, विभिन्न श्रेणियों के अधीन 60 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी, जो निम्नलिखित हैं:

I. तकनीकी श्रेष्ठता
II. वित्तीय सुधार
III. गरीबों को सेवाएं
IV. नागरिक सेवा और शासन
V. सरकारी-निजी साझेदारी
VI. संप्रेषण कार्यनीति और जागरूकता फैलाना; और
VII. शहरी स्वच्छता

समग्र मार्ग निर्देशन, स्क्रीनिंग और नामांकनों के मूल्यांकन और अंतिम चयन के लिए संयुक्त सचिव (शहरी विकास), भारत सरकार की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ पैनल (सलाहकार समूह) गठित किया गया था। इस सलाहकार समूह में नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, सिविल सोसायटी संगठनों और निली क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित जल क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ थे। एएससीआई ने कार्यक्रम के लिए तकनीकी मार्ग-निर्देशन प्रदान किया था।

इस परामर्श समूह ने सुपरिभाषित मानदण्ड[1] आधारित प्रत्येक प्रविष्टि की समीक्षा की और फील्ड वैधकरण के लिए 24 मुनाफेदार की संस्तुति की। तदोपरांत, व्यवस्थित फील्ड वैधकरण करने के लिए के लिए तकनीकी टीमें लगाई गईं। प्रत्येक लघु सूचीबद्ध प्रविष्टी के सत्यापन और वैधकरण के लिए एएससीआई की तकनीकी टीमों द्वारा दौरा किया गया। अंतिम चुयन की लघु सूची में आसानी के लिए फील्ड वैधकरण रिपोर्टें तैयार की गई थीं। अंतिम चयन हेतु प्रविष्टियों का प्रस्ताव करने, निम्नलिखित वैधकरण क्रिया करने के लिए सलाहकार समिति की फिर से बैठक बुलाई गई।

लघु सूचीबद्ध नामांकित शहरों के प्रतिनिधियों को अंतिम आकलन के लिए प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रतिनिधियों में महापौर, अध्यक्ष/निर्वाचित प्रतिनिधि, नगर आयुक्त, प्रबंध निदेशक और अन्य तकनीकी अधिकारी शामिल थे।

ये पुरस्कार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 7 मार्च 2014 को शहरी स्थानीय निकायों और जल बोर्डों के गण्यमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में  सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन के उपरांत, शहरी विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय शहरी जल पुरस्कार कार्यक्रम में  प्रस्तुत सभी श्रेष्ठ पहलों के संबंध में सार-संग्रह प्रकाशित करने का प्रस्ताव किया।

श्रेष्ठ व्यवहारों का सार-संग्रह और की उपस्थिति में के लिए प्रविष्टियां देने का ब्यौरा www.waterawards.in पर उपलब्ध है।

---

[1] (i) **स्थिरता-** जल संसाधनों और पर्यावरणीय लाभों की दीर्घकालिक उपलब्धता के लिए निदर्शित सफलता (ii) **प्रतिकृति क्षमता-** विधियों और मॉडलों की प्रतिकृति की संभावना, जिनके परिणामत: बेहतर सेवा मिलती है (iii) **नवीकरण-** विचारों, तकनीक व संसाधनों के उपयोग में निदर्शित नवीकरण, विशेषता और मौलिकता (iv) **निर्धन - हितकारी और समुदाय- आधारित एप्रोच-** ऐसी विधियां और कार्यक्रम जिनके परिणामत: गरीबों, विशेषकर गरीब और उपेक्षित समुदायों के लिए बड़े पैमाने पर सेवा वितरण में सुधार आया है, और (v) **प्रभाव**- सेवा वितरण में मूर्त सुधार।

# राष्ट्रीय शहरी जल पुरस्कार 2011-12 के विजेता

| पुरस्कार | पहल का नाम | कार्यान्वयनकर्ता संगठन |
|---|---|---|
| **तकनीकी श्रेष्ठता** | | |
| विजेता | उत्तराखण्ड में जल गुणवत्ता की निगरानी | उत्तराखण्ड जल संस्थान |
| **वित्तीय सुधार** | | |
| विजेता | पीपीपी पर बेतार डिजीटल जल मीटरिंग प्रणाली की संस्थापना | ग्रेटर विशाखापटनम म्युनिसिपल कार्पोरेशन |
| **गरीबों को सेवाएं** | | |
| विजेता | भागीरथी टेप तक पहुंच | कवारधा नगर परिषद |
| **नागरिक सेवा और शासन** | | |
| संयुक्त विजेता | वर्षाजल संचयन | बंगलौर जलापूर्ति और सीवरेज बोर्ड |
| संयुक्त विजेता | बरहामपुर में इसके नागरिकों के लिए जलाशयों का पुनर्जन्म | बरहामपुर नगर निगम और स्थानीय शासन नेटवर्क |
| **सरकारी-निजी साझेदारी** | | |
| विजेता | ओएण्डएम सेवाएं अनुबंध पर देना | नवी मुंबई नगर निगम |
| **संप्रेषण कार्यनीति और जागरूकता फैलाना** | | |
| विजेता | एकीकृत शहरी स्वच्छता कार्यक्रम (आईयूएसपी) | शहरी प्रशासन और विकास विभाग (यूएडीडी) और नगर प्रबंधक |
| **शहरी स्वच्छता** | | |
| विजेता | ग्वालियर में स्वर्णरेखा नदी का उन्नयन | ग्वालियर नगर निगम |
| विशेष उल्लेख | डिलाइट भारत ई-टॉयलेट | इराम साइंटिफिक सोलूशन (प्रा.) लिमिटेड |